मोड्यूल 2 : समुदाय में कार्य करना तथा गर्भावस्था में घर-घर जाना

सत्र 1 : समुदाय में कार्य करना

दिवस : 1

समयावधि : 1 घंटा 15 मि.

प्रयोजन

आशा किन–किन लोगों के बीच कार्य करेगी, यह सुनिश्चित करना। यह ज्ञात करना कि गाँव (क्षेत्र) के प्रमुख लोग कौन है, तथा इन लोगों तक अपनी बात पहुँचाने में सूचनाओं के आदान–प्रदान के महत्व को जानना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यताएँ आएँगी :

1. यह बताना कि हर घर में नवजात शिशु तथा बच्चों की देखभाल कार्यक्रम का किन–किन लोगों को लाभ होगा।
2. घर पर महिलाओं से बात करते समय सुयोग्य वातावरण बनाने के लिए वार्तालाप के तीन प्रमुख गुण जानना (सरल भाषा का प्रयोग, विनम्रतापूर्वक तथा दयालु भाव से बात करना तथा सुनना, प्रश्न पूछना आदि)

सामग्री

- अभ्यासपत्र 1 : भूमिका नाटक का आलेख
- अध्ययन पत्र 1 : वार्तालाप कैसे करें? – मार्गदर्शिका

तैयारी

- प्रशिक्षणार्थी की संख्या के अनुसार अध्ययन पत्र 1 की प्रतियाँ तैयार रखें।
- अभ्यासपत्र 1 का प्रयोग प्रशिक्षक भूमिका नाटक खेलते समय कर सकते है।

प्रशिक्षण विधि

प्रदर्शन : (10 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. बताएँ कि आशा स्थानीय लोगों के लिए जो कर रही थी उसके अलावा और क्या क्या करेगी। माताओं तथा नवजात शिशुओं को सेवा देगी।

सामूहिक चर्चा (15 मिनट)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. आशा से कहें कि वे एक गोला बना लें।
2. पूछें कि उन्हें किन–किन लोगों के बीच में कार्य करना है।
3. पूछें कि वे गॉव की महिलाओं के साथ कैसे सम्पर्क बढ़ा सकती हैं? अपनी नई भूमिका बताने तथा सहयोग प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है ? वे वार्तालाप की कौन सी विधि का प्रयोग करें ?

4. उनको बोलने के लिए प्रोत्साहित करें, और उन्हें बोलने के सुयोग्य वातावरण बनाएँ।
5. उनके जवाब सुनें और बातचीत आगें बढ़ाएँ। (विषय–वस्तु बाक्स देखें)
6. अंत में मुख्य मुद्दों का सारांश प्रस्तुत करें।

विषय–वस्तु

सफल बातचीत के गुण

- ✓ नमस्कार करें, मित्रतापूर्वक व्यवहार करें।
- ✓ स्पष्टता से बोलें और सरल स्थानीय भाषा का प्रयोग करें।
- ✓ अपनी नई भूमिका तथा आज आने के कारण के बारे में बताएँ।
- ✓ धैर्यपूर्ण व्यवहार करें।
- ✓ किसी का कोई प्रश्न हों, तो उत्तर दें।
- ✓ महिलाओं की बात एकाग्रता से सुनें।

प्रशिक्षकों द्वारा आदर्श भूमिका नाटक (35 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. आशाओं से कहें कि वे अध्ययन पत्र 1 : वार्तालाप कैसे करें? – मार्गदर्शिका देखें।
2. नाटिका शुरू करने के पूर्व प्रशिक्षक प्रशिक्षणार्थियों से नाटिका वार्तालाप कैसे करें? – मार्गदर्शिका को पढ़ने के लिए कहें। प्रशिक्षणार्थी हर वाक्य को बोल–बोलकर पढ़ें। प्रशिक्षक चर्चा करें तथा समझाएँ।
3. भूमिका नाटक के दौरान उन्हें वार्तालाप कैसे करें? – मार्गदर्शिका का पहला भाग देखने को कहें।
4. नाटक के बाद प्रशिक्षणार्थियों से उनके विचार जानें; यदि कुछ छूट गया हो तो उसकी चर्चा करें। क्या और कुछ अच्छा किया जा सकता है? अच्छे मुद्दे कौन से थे? देखें।

सारांश (5 मि.)

- आशाओं से पूछें कि उनका कार्य क्या होगा? किन लोगों के बीच उन्हें कार्य करना है?
- एक आशा से पूछें कि समुदाय में जाकर उन्हें महिलाओं के साथ बातचीत कैसे करनी चाहिए?
- गलतियाँ हो तो सुधारें, और कुछ छूट गया हो तो बता दें।
- आशाओं की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन : (10 मि.)

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
यह बताना कि हर घर में नवजात शिशु तथा बच्चों की देखभाल कार्यक्रम का किन–किन लोगों को लाभ होगा।	सामूहिक परिचर्चा, प्रश्नोत्तर	–
घर पर महिलाओं से बात करते समय सुयोग्य वातावरण बनाने के लिए वार्तालाप के तीन प्रमुख गुण जानना	प्रत्येक आशा से कहे कि एक कागज़ पर वार्तालाप विधि के गुणों की सूची बनायें। लिखें हुये सारे कागज मूल्यांकन के लिये रख लें।	वार्तालाप विधि के गुणों की प्रत्येक सूची का मूल्यांकन करें और उसे रख लें। प्रत्येक गुण को 2 अंक दें। कुल 12 अंक हो सकते है।